[Shri M. S. K. Sathiyendran]

In these circumstances, it is imperative that Rameswaram should be declared a major port; and then only all the infrastructure facilities will be built. When it is declared a major part, then only it can become the real watch-dog on the Indian Ocean which is presently the hot-hed of international rivalry. From the strategic point of view also, Rameswaram should be declared a major port.

(iv) NEED FOR TAKING-OVER BY GOVERNMENT OF EYE HOSPITAL SITAPUR IN UTTAR PRADESH.

श्री राम लाल राही (मिसरिख) : उपाध्यक्ष महोदय, हमारे देश में असंख्य ऐसे व्यक्ति हैं जो जन्म से अथवा उसके बाद पौष्टिक आहार के अभाव में अथवा अन्य दैवी आपदाओं के शिकार हो, आंखें खो बैठते हैं। विकलांग वर्ष में इन विकलांगों के लिए अथवा आने वाली भावी पीढ़ी इस शिकार से बचे, नेत्र चिकित्सा विज्ञान की तरफ विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है।

वर्तमान समय में देश के विभिन्न अंचलों में लाखों लोग नेत्र रोगों से पीड़ित है। रोगों का निरन्तर कुप्रभाव बढ़ता ही जा रहा है जिसका निदान सुनिश्चित किया जाना महत्वपूर्ण है।

वर्तमान समय में भारत भर में कुल 6 प्रमुख नेत्र संस्थान हैं, जिनमें उत्तर प्रदेश के जनपद सीतापुर का नेत्र संस्थान 'आंख का अस्पताल, सीतापुर' अपना विशिष्ट स्थान रखता है। एशिया के प्रमुख चिकित्सा संस्थानों में है। यह आंख का अस्पताल अपने वर्तमान रूप में पद्मभूषण डा० महेश प्रसाद मेहरे की पचास वर्षों की साधना का प्रतीक है। डा० मेहरे जहां एक ओर सामाजिक अभियन्ता के रूप में एक बड़ा संस्थान स्थापित करने में सफल हुए, वहीं नेत्र चिकित्सा शास्त्र में राष्ट्रीय ख्याति के नेत्र रोगों के मर्मी।

उनका स्वर्गवास होते ही यह आंख का अस्पताल धीरे धीरे पतोन्मुख होता जा रहा है। अस्पताल एक ट्रस्ट में निहित है। इस ट्रस्ट को स्वर्गीय डा० मेहरे ने ही स्थापित किया था जिसका संचालन जिला अधिकारी की अध्यक्षता में होता है। स्वतन्त्रता प्राप्ति के बाद से ही यह अस्पताल द्रुत गति से प्रगति की ओर अग्रसर हुआ। प्रदेश, केन्द्र तथा अन्तर्देशीय विभिन्न सरकारों से ही इस चिकित्सा संस्थान को आर्थिक सहायता मिलती रही है।

कानपुर विश्वविद्यालय से पाश्चात्य नेत्र चिकित्सा पद्धति में यह स्नातकोत्तर डिप्लोमा की शिक्षा एवं परीक्षा के लिए एक कालेज के रूप में मान्य भी है। कानपुर विश्वविद्यालय से सम्बद्ध संस्थानों की सूची में यह नेहरू इंस्टीट्यूट आफ आप्थैलमोलोजी के नाम से दर्ज है। पद्मभूषण स्व० डा० मेहरे क के निधन के बाद अस्पताल की गिरती हुई साख को देख कर ही केन्द्र सरकार और स्वास्थ्य मंत्रालय में निरन्तर यह प्रयास मैं करता रहा हूं कि इस संस्थान को राष्ट्रीय हित में केन्द्र सरकार अधिग्रहीत कर समुचित व्यवस्था के माध्यम से इसका संचालन करे ताकि डा० मेहरे के प्रयासों द्वारा अर्जित करोड़ों की सम्पत्ति राष्ट्रीय जीवन में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सके।

दुर्भाग्य से नेत्र चिकित्सा विज्ञान के इस प्रमुख संस्थान के कर्मचारी एवं चिकित्सक सदैव शासन के शिकार रहे हैं। डाक्टरों एवं कर्मचारियों को निर्धारित मिनिमम वेज भी नहीं दिया जाता। बहुत अरसे बाद अपने कर्तव्यों और अधिकारों के प्रति उनमें चेतना जागी है। परिणाम-स्वरूप 10 अगस्त से अपनी 9 मांगों को ले कर वे हड़ताल पर हैं। आगन्तुक नये मरीजों की भर्ती व निरीक्षण बन्द है। सैकड़ों मील से आये रोगी सैकड़ों की तादाद में नित्य-प्रति निराश ही लौट रहे हैं। अस्पताल की मर्यादा नष्ट हो रही है और डाक्टर

तथा कर्मचारी भी मजबूर हैं । जहां उनकी मांगें, जो न्यायोचित और तर्कसंगत हैं, वह न मानी जायें और वे हड़ताल पर रहें—यह कैसी बिडम्बना है कि राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय सहायता प्राप्त संस्थान के कर्मचारियों को न्यूनतम वेतन भी न दिया जाए, कर्मचारियों की सेवा नियमावली भी न बनाई जाए, राज्य अथवा केन्द्र सरकार के के कर्मचारियों के समान महंगाई भत्ता और वेतन देने की व्यवस्था न की जावे और जब वे मांग करें तो उन्हें दण्डित व प्रताड़ित किया जाए, कोई भी सुनवाई न हो ?

मेरी सरकार से विनम्रतापूर्वक प्रार्थना है कि केन्द्र सरकार तत्काल हस्तक्षेप कर अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति-प्राप्त इस संस्थान को अधिगहीत कर स्वयं संचालन करे और इस नेत्र चिकित्सा विज्ञान संस्थान के समस्त कर्मचारियों को न्यायोचित वेतनमान व सुविधायें दिये जाने की घोषणा करे अथवा उत्तर प्रदेश सरकार को निर्देशित करे ।

(v) Steps for bringing Dimapur Airport in Nagaland under the Ministry of Civil Aviation.

SHRI CHINGWANG KONYAK: Nagaland has only one airport at Dimapur, which is under the control of the Defence authorities. It has no control tower and necessary equipments essential for an airport.

The existing building of the Dimapur Airport is not commoditious and is quite small. Air travelling passangers are increasing day by day. There are no separate Entrance and Exit Gates to cater to the needs of the incoming and outgoing passengers. In the absence of these, the passengers have to wait for unduly long time to collect their baggage because they have to wait till the plane takes off. There are no restaurant facilities.

The runway is in a very bad shape. It has pit-holes and therefore needs immediate repairs. During rains the runway is filled up with water and gets water-logged with the result the flight cannot land. For example, on 2nd of August this year, the Gauhati-Dimapur Flight had to be cancelled for this reason alone.

In these circumstances, the Dimapur Airport should be improved and developed by carrying out urgent repairs to its runway and by providing the necessary equipments, for the control Tower, etc. I would request the Hon. Minister for Civil Aviation for taking over the Dimapur Airport under the control of the Department of Civil Aviation immediately for its proper development.

(vi) Action against persons luring innocent people for the jobs in Gulf Countries.

*SHRI V. S. VIJAYARAGHAVAN: (Palghat): Sir, it has become a matter of great concern that some unscrupulous agents in the cities of Bombay and Delhi are cheating innocent people by luring them for employment in Gulf countries. Many such people have been trapped by these criminals who masquerade as agents. These agents operate from big cities like Bombay and Delhi. Their modus operandi is the same everywhere. These agents have a large net work of sub-agents who, in turn, are local people. These sub-agents lure people in confidence and extract a huge amount of money varying from Rs. 17,000 to Rs. 25,000. After collecting the money, these sub-agents hand over the amount to the chief agent and collect their commission.

After paying the money, which they raise by selling their homestead land or the jewellery, they wait for a word from the agent. After six months or so, a telegram is received by them to reach Bombay or Delhi for flight.

*The original speech was delivered in Malayalam.